(05)

पत्रांक–म०भो० / को०–47 / 2012.....409/

बिहार सरकार
शिक्षा विभाग

प्रेषक,

प्रधान सचिव,
शिक्षा विभाग,
बिहार, पटना।

सेवा में,

सभी प्रधानाध्यापक एवं प्रभारी प्रधानाध्यापक
सरकारी तथा सरकारी सहायता प्राप्त
प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय, मदरसा, मकतब,
संस्कृत विद्यालय, सर्व शिक्षा अभियान अन्तर्गत संचालित
वैकल्पिक एवं नवाचारी शिक्षा केन्द्र, राष्ट्रीय बाल परियोजना
अन्तर्गत संचालित विद्यालय।
बिहार।

पटना, दिनांक 30.03.12

विषयः IVRS में मध्याह्न भोजन योजना, तथा विद्यालय से संबंधित अन्य आंकड़ों की प्रविष्टि (Entry) के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि आप अवगत हैं कि किसी भी योजना के निर्माण तथा उसके क्रियान्वयन हेतु सही तथा अद्यतन आँकड़ों की उपलब्धता आवश्यक है। अद्यतन तथा सही आँकड़ों के आधार पर ही किसी भी योजना का सही मूल्यांकन संभव हो पाता है तथा योजना की शत–प्रतिशत सफलता सुनिश्चित की जा सकती है।

उल्लेखनीय है कि आपलोगों के सतत् प्रयास से ही राज्य में मध्याह्न भोजन जैसी महत्त्वाकांक्षी योजना जो माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार संचालित है बहुत हद तक सफल हो पाई है एवं भविष्य में भी इस योजना की सफलता आपकी भूमिका तथा सक्रियता पर निर्भर है।

किन्तु अभी भी विश्व के तीन वर्ष से कम के 146 मिलियन कुपोषित बच्चों में से 60 मिलियन (42 %) कुपोषित बच्चे भारत में हैं। Unicef के अनुसार देश के कुपोषित बच्चों की तीसरी अधिकतम संख्या (Third higest number of malnourished children) अपने राज्य बिहार में है। इस प्रकार कुपोषित बच्चों की संख्या के दृष्टिकोण से बिहार का देश में तीसरा स्थान है। यह हमलोगों के लिए यह एक गंभीर चुनौती का विषय है। हमें मिलजुल कर इस चुनौती का सामना करना है तथा एक टीम भावना से कार्य करते हुए राज्य के सभी बच्चों को मध्याह्न भोजन के माध्यम से उचित पोषक तत्व उपलब्ध कराकर एक स्वस्थ्य राष्ट्र के निर्माण में सहभागी बनना है।

समय–समय पर मध्याह्न भोजन योजना से संबंधित विभिन्न तरह के आँकड़ों की मांग भारत सरकार एवं माननीय उच्चतम न्यायालय तथा अन्य संवैधानिक एवं गैर संवैधानिक संस्थानों द्वारा की जाती है। योजना से संबंधित सही आँकड़े उपलब्ध कराना राज्य सरकार का कर्त्तव्य है। प्रायः यह देखा जाता है

कि विद्यालय से आँकड़ा प्राप्त होने में बिलम्ब हो जाता है जिससे उसके (आँकडें) दूषित (Adulterate) होने की संभावना प्रबल हो जाती है और इस प्रकार आँकड़ों की उपादेयता सीमित हो जाती है।

अतः विद्यालय से सीधे वास्तविक समय में आँकड़ा (Real time data) प्राप्त करने के उद्देश्य से आधुनिक Interactive Voice Response System (IVRS) को लागू करने का निर्णय लिया गया है। माननीय मुख्यमंत्री द्वारा IVRS को 'दोपहर' नाम दिया गया है। इस प्रणाली के द्वारा प्रतिदिन आपके मोबाईल पर मध्याह्न भोजन सत्र (Mid day Meal Session) के बाद एक Call जाएगा जिसके द्वारा आपसे तीन प्रश्न पूछे जाएगें जैसे;

(i) आज विद्यालय में कितने छात्र/छात्राएँ उपस्थित हुए।

(ii) आज कितने छात्र/छात्राओं ने मध्याह्न भोजन खाया।

(iii) आज मीनू के अनुसार मध्याह्न भोजन बना या नहीं। (तीसरा प्रश्न आवश्यकतानुसार परिवर्तन किये जाते रहेगें)

इसके अलावे प्रत्येक सप्ताह के शुक्रवार को विद्यालय में खाद्यान्न तथा राशि की उपलब्धता से संबंधित भी प्रश्न पूछ जाएगें जैसे;

(i) विद्यालय में अगले एक सप्ताह के लिए पर्याप्त खाद्यान्न उपलब्ध है या नहीं।

(ii) विद्यालय में अगले एक सप्ताह के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध है या नहीं।

इसके अलावे IVRS में समय–समय पर विद्यालय तथा विद्यालय के बच्चों से संबंधित अन्य प्रकार की सूचनाओं/आँकड़ों की प्रविष्टि की भी बाध्यता होगी।

आपको उक्त से संबंधित आँकड़ों की प्रविष्टि अपने मोबाईल फोन के माध्यम से अपेक्षित बटन को दबाकर करना हैं। सूचना दर्ज करने की पूरी प्रक्रिया बिल्कुल ही सरल है। आपके द्वारा प्रविष्ट इन आँकड़ों का उपयोग मासिक तथा त्रैमासिक रिपोर्ट तैयार करने में किया जाएगा जो मध्याह्न भोजन योजना के प्रबंधन, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन के लिए अनिवार्य हैं।

अतः अनुरोध करते हुए आपलोगों को निदेश दिया जाता है कि प्रतिदिन तथा साप्ताहिक माँगी जाने वाली मध्याह्न भोजन योजना तथा विद्यालय से संबंधित आँकड़ें अनिवार्य तथा नियमित रूप से IVRS में प्रविष्ट किये जाए। IVRS के माध्यम से माँगी जाने वाली सूचनाओं को मोबाईल फोन द्वारा प्रविष्ट करने का कार्य आपके कर्तव्य (duty) में शामिल है। ऐसा नहीं करने पर इसे कर्तव्य में लापरवाही माना जाएगा। इस हेतु अप्रैल माह में एक प्रशिक्षण भी आयोजित की जा रही है जिसमें आपकी उपस्थिति अनिवार्य है।

30/03/

प्रधान सचिव,
शिक्षा विभाग,
बिहार, पटना।